

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान

समीक्षा विवरण 2016-17

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, भारत सरकार के अंतर्गत केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का एक स्वायत्तशासी संगठन है, जो एक शीर्षस्थ तकनीकी संस्थान के रूप में कार्य करने के साथ-साथ देश में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों के प्रोन्नयन हेतु विचार मंच के रूप में कार्यरत है। संस्थान के कार्यक्षेत्र के केन्द्र बिन्दु में मुख्यतः स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण के क्षेत्र में स्नातकोत्तर शिक्षा, मेडिकल और पैरा-मेडिकल कर्मियों के सेवाकालीन प्रशिक्षण, अनुसंधान एवं मूल्यांकन, परामर्श सेवाओं के साथ-साथ विशिष्ट परियोजनाएं और अन्य सेवाओं को प्रमुखता दी गई है। इस प्रयास में संस्थान द्वारा कई विभागों जैसे- संचार, सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन, शिक्षा एवं प्रशिक्षण, एपिडेमियोलॉजी, चिकित्सा एवं अस्पताल प्रशासन, प्रबंध विज्ञान, योजना एवं मूल्यांकन, जनसंख्या आनुवांशिकी एवं मानव विकास, प्रजनन जैव-चिकित्सा, प्रबंध विज्ञान, सांख्यिकी एवं जनांकिकी, समाज विज्ञान के माध्यम से स्वास्थ्य क्षेत्र से संबद्ध जन-स्वास्थ्य, जनसंख्या और परिवार कल्याण के व्यापक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

संस्थान द्वारा पोस्ट-ग्रेजुएट शिक्षा के अंतर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों अर्थात्-(1) सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन विषय में तीन वर्षीय एम.डी.पोस्ट-ग्रेजुएट डिग्री पाठ्यक्रम; (2) स्वास्थ्य प्रशासन विषय में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम; (3) जन-स्वास्थ्य प्रबन्धन में पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है। इसके अतिरिक्त, संस्थान द्वारा दूरस्थ शिक्षण के माध्यम से प्रत्येक वर्ष एक-वर्षीय अवधि के 'स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रबंधन', 'अस्पताल प्रबंधन', 'स्वास्थ्य संवर्धन,' स्वास्थ्य संचार, अनुप्रयुक्त एपीडेमियोलॉजी तथा जन-स्वास्थ्य पोषण में छह डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। वर्तमान में संस्थान द्वारा ई-शिक्षण के माध्यम से दो अन्य नए पाठ्यक्रम, क्रमशः वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों हेतु प्रबंध, जन स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य सुधारों में व्यावसायिक विकास पाठ्यक्रम तथा कार्यक्रम प्रबंधकों हेतु कार्यक्रम प्रबंधन समर्थन यूनिट विषय पर प्रारंभ करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। संस्थान द्वारा देश के विभिन्न भागों में भिन्न-भिन्न स्तरों पर कार्य करने वाले मध्य तथा वरिष्ठ स्तरीय

स्वास्थ्य कार्मिकों के लिए एक से दस सप्ताह की अवधि तक के सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित किए गए हैं। संस्थान का एक अत्यंत लोकप्रियता प्राप्त तथा उल्लेखनीय सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 'वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारियों के लिए प्रबंध, जन स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य सुधारों में व्यावसायिक विकास पाठ्यक्रम' है जो संस्थान द्वारा देश में स्थित 17 सहभागी प्रशिक्षण संस्थानों के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। वर्ष 2016-17 की प्रतिवेदित अवधि में, संस्थान में संचालित किए गए 63 प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों और कार्यशालाओं में 38 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।

देश में विभिन्न स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण कार्यक्रमों संबंधी प्रचालनात्मक अनुसंधान, अनुप्रयुक्त अनुसंधान एवं मूल्यांकन पर विशेष रूप से ध्यान केन्द्रित करके और प्रचुर समय देकर विशिष्ट शोध प्रयास करने के लिए संस्थान को एक विशिष्ट पहचान प्राप्त है। समग्रतः संस्थान द्वारा कुल 17 शोध अध्ययन संचालित किए गए थे, जिनमें से 10 अध्ययनों को पूरा कर लिया गया है तथा शेष अध्ययन प्रगति के विभिन्न चरणों में हैं।

संस्थान द्वारा एन,एच,एम/आरसीएच परियोजना-2 के अंतर्गत प्रशिक्षण गतिविधियों हेतु एक नोडल संस्थान के रूप में अपना दायित्व का वहन करते हुए 22 सहभागी प्रशिक्षण संस्थानों के सहयोग से देश के विभिन्न भागों में एनएचएम/आरसीएच-2 प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन तथा समन्वय किया गया।

प्रतिवेदित अवधि में वर्तमान में संस्थान द्वारा 877 प्रसव पूर्व परिचर्या तथा 551 एचआरजी स्थलों में क्रियान्वित किए जाने के लिए देश भर में एएनसी तथा एआरजी स्थलों में एचएसएस (2016-17) संबंधी सतत 15वें चरण का समन्वयन किया गया है।

स्वास्थ्य पोषण तथा जनसंख्या विकास हेतु नीति निर्माण की आवश्यकता को अनुभव करते हुए तथा जनसंख्या, स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित मुद्दों पर साक्ष्य आधारित अनुसंधान एवं विश्लेषण संचालित करने पक्ष पोषण तथा बहु क्षेत्रीय समन्वयन बनाने के प्रयोजन से स्वास्थ्य नीति परियोजना के माध्यम से और यूएसएडके वर्ष 2011 में एक नीति एकक की स्थापना की गई थी। यह एकक संस्थान के योजना एवं मूल्यांकन विभाग के अंतर्गत कार्यरत है तथा इसका प्रबंधन संस्थान के निदेशक की अध्यक्षता में कठित एक संचालन समिति द्वारा किया जाता है।

संस्थान मे राष्ट्रीय शीत श्रृंखला वैक्सीन प्रबंध संसाधन केन्द्र की स्थापना वर्ष 2015 में की गई। प्रतिवेदित अवधि में एस केन्द्र ने वर्ष 2016-17 हेतु बनाई अनुमोदित वार्षिक कार्य योजना के अनुसार सभी गतिविधियां पूरी कर ली तथा शीत श्रृंखला उपकरणों की मरम्मत करने के लिए 240 शीत श्रृंखला तकनीशियनों के प्रशिक्षित किया। इस केन्द्र ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए वैक्सीन एवं शीत श्रृंखला धारकों हेतु नए डिजाइन किए गए माड्यूल का शुभारंभ किया तथा 296 राज्य

स्तरीय मास्टर प्रशिक्षणों के 8 बैचों में टीओटी प्रशिक्षण भी पूरा किया। इस केन्द्र द्वारा भारत सरकार तथा एम आर वैक्सीन के लिए शीत श्रृंखला क्षमता का आयोजन संबंधी आकलन करने से जुड़ी गतिविधियों को सुकर बनाने में एक सक्रिय भूमिका निभाई गई।

पिछले वर्ष संस्थान में एल.एस.टी.एम., यू.के. तथा मातृ स्वास्थ्य प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की सहभागिता में स्वास्थ्य परिचर्या सेवा प्रदाताओं के कौशल का उन्नयन करने तथा गुणवत्तापूर्ण आरएमएनसीएच + ए सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय कौशल प्रयोगशाला 'दक्ष' की स्थापना की गई थी। प्रतिवेदित अवधि के दौरान, दक्ष प्रयोगशाला द्वारा 7 राज्यों अर्थात् दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उड़ीसा तथा राजस्थान के 195 प्रतिभागियों को 25 बैचों में प्रशिक्षित किया गया।

संस्थान द्वारा सी.डी.सी. एटलांटिकी सहभागिता में भारत में जन स्वास्थ्य प्रणाली क्षमता निर्माण की स्थापना की गई। इस परियोजना का उद्देश्य राज्य तथा जिला स्तर पर रोगों की निगरानी करके रोग फैलने एवं अंवेशण तथा आसन्न रोग फैलने का शीघ्र निदान करके और जन स्वास्थ्य प्रबंध कौशल में स्वस्थाय कार्यबल की क्षमता का निर्माण करना है। इस परियोजना के अंतर्गत तीन प्रशिक्षण कार्यक्रम नामतः त्वरित अनुक्रिया टीम प्रशिक्षण(आरआरटी), जन स्वास्थ्य प्रबंध प्रशिक्षण तथा अग्रपंक्ति जानपदिक विज्ञान प्रशिक्षण संचालित किए जा रहे हैं।

संस्थान में नीति एकक की स्थापना स्वास्थ्य नीति परियोजना, फ्यूचर ग्रुप इंटरनेशनल के माध्यम से यूएसएड से प्राप्त तकनीकी एवं वित्तीय सहयोग से की गई थी। इस एकक का उद्देश्य जनसंख्या स्वास्थ्य एवं पोषण पर साक्ष्य आधारित नीति अनुसंधान एवं विश्लेषण संचालित करना, पक्ष पोषण तथा बहु-क्षेत्रीय समन्वय बनाना है। प्रारंभ में इस एकक का मुख्य ध्यान जनसंख्या तथा परिवार नियोजन पर केंद्रित किया गया था।

संस्थान में मातृ एवं शिशु ट्रेकिंग प्रणाली सुविधा केन्द्र वर्ष 2016 से कार्यरत है। इस केन्द्र की परिकल्पना इसके आंकड़ों की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु एमसीटीएस को समर्थन प्रदान करने के लिए की गई थी। इस केन्द्र द्वारा एमसीटीएस में पंजीकृत किए गए लाभानुभोगियों (गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों) को फोन काल करना तथा रिकार्डों की वैद्यता करना अपेक्षित है। इसके अतिरिक्त, यहां लाभानुभोगियों अथवा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के स्वास्थ्य संबंधी प्रश्नों के उत्तर देने के लिए चिकित्सीय परामर्शदाता भी उपलब्ध रहते हैं।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के समग्र प्रशासनिक नियंत्रण में 'स्वास्थ्य सूचना केन्द्र' की स्थापना की गई है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को स्वास्थ्य संबंधी सूचनाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से

राष्ट्रीय स्वास्थ्य पोर्टल की स्थापना की गई है। इस पोर्टल द्वारा एक एकल बिन्दु एक्सेस के रूप में नागरिकों, छात्रों, स्वास्थ्य परिचर्या व्यावसायिकों तथा शोधकर्ताओं को प्रमाणिक स्वास्थ्य सूचनाएं उपलब्ध कराई जाती है। प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्वास्थ्य सूचना केन्द्र द्वारा मोबाइल अनुप्रयोग विकसित करके कुछ नई पहल जैसे एनएचपी इंद्रधनुष, एनएचपी स्वस्थ भारत, प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान, चिंता मुक्ति तथा जनहित के लिए भारत का डेंगू रोग से सामना, लोगों के लाभार्थ प्रारंभ की गई है। इस पोर्टल द्वारा छह भाषाओं जैसे हिन्दी, गुजराती, बांग्ला, तमिल, पंजाबी तथा अंग्रेजी में सूचनाएं प्रसारित की जाती है। यह पोर्टल फेसबुक, ट्विटर जैसी सामाजिक साइट पर भी उपलब्ध है।

संस्थान को एशियाई क्षेत्र नेटवर्क में दक्षिण-दक्षिण सहयोग हेतु एक अग्रणी संस्थान के रूप में अभिज्ञात किया गया है। इस नेटवर्क का उद्देश्य भागीदार संस्थानों में संचार वृद्धि करना तथा अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या एवं विकास सम्मेलन (आईसीपीडी) तथा सहस्त्राब्दि विकास लक्ष्यों संबंधी उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु दक्षिण-दक्षिण सहयोग बढ़ाने हेतु आवश्यकताओं तथा वरीयताओं को परिलक्षित करना है।

जनसांख्यिकीय आंकड़ा केन्द्र वर्ष 2003 से विभिन्न स्रोतों से राष्ट्रीय तथा राज्य स्तरों पर उपलब्ध कराई गई सामाजिक-जनसांख्यिकीय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण इत्यादि के बारे में सूचनाओं के 'डेटा बैंक' के रूप में कार्यरत है। इस केन्द्र ने 9 राज्यों के वार्षिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण से एनएफएचएस-1, 2 तथा 3; डीएलएचएस-1, 2 तथा 3; एनएसएसओ डेटा के विभिन्न चरणों से तथा जनगणना-1991, 2001 तथा 2011 से आंकड़ों की अधिप्राप्ति की है। केन्द्र द्वारा जनगणना आंकड़ों का उपयोग कर जनसंख्या प्रोफाइल तैयार किया गया है, जो जनसाधारण के लिए संस्थान की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों जैसे-विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनीसेफ, यूएसएड, लिवरपूल स्कूल ऑफ ट्रापिकल मेडिसिन, जनसंख्या एवं विकास में भागीदार

(पीपीडी), फ्यूचर्स ग्रुप इंटरनेशनल, तथा यूरोपीय संघ, आदि के साथ सहभागिता की प्रक्रिया गति बनाए रख कर कार्य करने में पूर्णतः सक्षम है।

संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन नीति के अंतर्गत देश की राष्ट्रभाषा हिन्दी को दैनिक सरकारी कार्यों में पूर्ण महत्व दिया जाता है। उदाहरणस्वरूप, इसे ध्यान में रखकर, संस्थान द्वारा राजभाषा हिन्दी के महत्व को ध्यान में रखते हुए जन-स्वास्थ्य, जनसंख्या एवं परिवार कल्याण संबंधी मुद्दों पर उपयोगी लेखों का समावेश करके एक हिन्दी पत्रिका 'जन-स्वास्थ्य धारणा' प्रकाशित की जाती है।

वर्ष 2016-17 की अवधि में इस संस्थान को रू. 5250 लाख (योजना बजट के अंतर्गत रू. 155लाख तथा गैर-योजना बजट के अंतर्गत रू. 3700 लाख) की राशि अनुमोदित बजट (सहायता अनुदान) के रूप में स्वीकृत किया गया था। प्रतिवेदित वर्ष की अवधि में संस्थान का कार्य निष्पादन संतोषजनक रहा।

नई दिल्ली

दिनांक 19 जनवरी, 2018